an>

Title: Need to expedite construction of Mahoba to Orai new railway line in Uttar Pradesh - Laid.

कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल (हमीरपुर): मैं बुंदेलखण्ड से आता हूँ और यह आर्थिक रूप से पिछड़ा क्षेत्र है । इस क्षेत्र में रेल-सड़क मार्गों के तेज विकास की नितांत आवश्यकता है । मोदी जी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने इसी बात को ध्यान में रखते हुए बजट 2016-17 में उरई-महोबा रेल लाइन मंजूर की थी । इसके साथ बुंदेलखण्ड के विकास के लिए रेलवे द्वारा अन्य परियोजनाओं जैसे झांसी-बीना लाइन परियोजना-155.75 कि .मी., झांसी-मानिकपुर दोहरी लाइन परियोजना-411 कि .मी., ललितपुर बिरारी परियोजना-15.8 कि .मी. एवं धौलपुर-झांसी-बीना 321 कि .मी. परियोजना को भी रेल मंत्रालय द्वारा स्वीकृति प्रदान की गई है जो भारत सरकार की बुंदेलखण्ड में विकास की प्रतिबद्धता को दर्शाता है ।

परन्तु महोबा-उरई रेल मार्ग जो कि 90 कि .मी. का है और इसकी अनुमानित लागत 1800 करोड़ रूपए है । 2 वर्ष व्यतीत हो जाने के उपरांत भी यह योजना लंबित है । यह योजना इस क्षेत्र में आवागमन हेतु नितांत आवश्यक है । रेल लाइन के बन जाने से महोबा-चरखारी-राठ-उरई के यात्रियों को बहुत अधिक सुविधा हो सकेगी ।

मैंने कई बार व्यक्तिगत रूप से पत्राचार के माध्यम से इस योजना को शीघ्र पूर्ण कराने का आग्रह किया है और आज माननीय रेल मंत्री जी से पुनः आग्रह करता हूँ कि महोबा-उरई रेल लाइन को शीघ्रातिशीघ्र पूर्ण कराने का कष्ट करें जिससे न सिर्फ बुंदेलखण्ड का विकास होगा अपितु इस क्षेत्र में यात्रा करने वाले यात्रियों को बहुत अधिक सुविधा प्राप्त हो सकेगी ।